जागरूकता कार्यक्रम

23 सितम्बर, 2022

आदि दृश्य विभाग, इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय कला केंद्र निरंतर यह प्रयासरत है कि पूर्वजों की इस अप्रतिम धरोहर को वर्तमान पीढ़ी के समक्ष उसके वास्तविक सन्दर्भ में व्याख्यायित कर सके एवं भविष्य की आने वाली संततियों के लिए इन शैलचित्रों को उनके मूल स्थान पर ही संरक्षित किया जा सके। इस उद्देश्य से परियोजना के तहत अंतिम दिन 23 सितम्बर, 2022 को घुरहूपुर शैलकला पुरास्थल के समीप एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन तीनों संस्थाओं के सहयोग से किया गया। यह पुरास्थल बौद्ध केंद्र के रूप प्रसिद्ध है जो संभवतः प्राचीन व्यापारिक मार्ग का प्रमुख केंद्र रहा है जिसका प्रमाण यहाँ से प्राप्त कुषाण कालीन अभिलेख से भी होता है जिसमें **'श्रेणिक'** वर्ग के बारे में उल्लेख है। स्थानीय निवासियों के अनुसार यहाँ श्रीलंका, जापान आदि देशों से भी लोगों का आगमन होता था किन्तु वर्तमान में इस पुरास्थल के चित्रों पर स्थानीय लोगों द्वारा पानी आदि डालते रहने के कारण वह लगभग समाप्त से हो गए हैं जिसको वैज्ञानिक तकनीक से संरक्षित किये जाने की आवश्यकता है।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में चकिया के उप–जिलाधिकारी श्री ज्वाला प्रसाद सम्मिलित हुए। विशिष्ट अतिथि डॉ0 अभिजीत दीक्षित (असिस्टेंट प्रोफ़ेसर, इं0 गाँ0 रा0 क0 के0, वाराणसी), परियोजना टीम के समस्त सदस्य, स्थानीय जन–प्रतिनिधि, प्राथमिक विद्यालय के शिक्षक, छात्र एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणों की सहभागिता रही।

उप–जिलाधिकारी महोदय ने स्थानीय लोगों को सम्बोधित करते हुए पूर्वजों द्वारा बनाये गए इन चित्रों को बचाने के लिए प्रयास करने को कहा। साथ ही, आदि दृश्य विभाग, इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय कला केंद्र से इन शैल पुरास्थला, मुख्यतः घुरहूपुर के शैलचित्रों को संरक्षित करने हेतु निवेदन किया।

जागरूकता कार्यक्रम में सम्मिलित गणमान्य सदस्य, टीम सदस्य एवं स्थानीय ग्रामीण व छात्र

चित्रकला प्रदर्शनी

चित्रकला से जुड़े अभ्यार्थियों, शोधार्थियों को इन धरोहरों से जोड़ने के लिए केंद्र द्वारा इस सम्पूर्ण परियोजना के दौरान दृश्य कला (फाइन आर्ट) के दो छात्र श्री निखिलेश प्रजापति एवं श्री गौतम विश्वकर्मा को टीम के साथ जोड़ा जिन्होंने विभिन्न शैलाश्रयों में रूककर शैलचित्रों को कैनवास पर बनाया। परिणामतः 14 पेंटिंग्स विभाग को प्राप्त हुई जिनकी कुछ पेंटिंग का प्रदर्शन भी जागरूकता कार्यक्रम के दौरान किया गया।

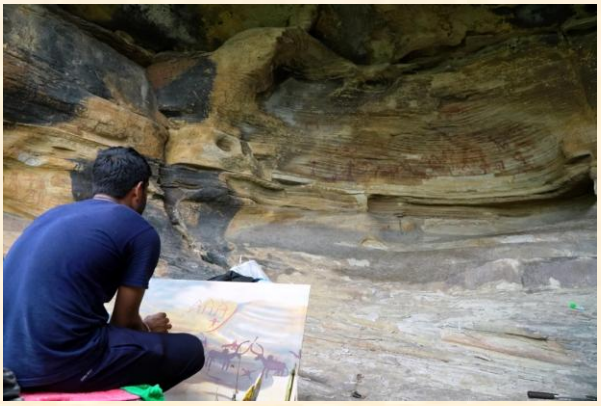

1. चित्रकारी करते हुए क्रम"ाः श्री निखिलेश, 2. श्री गौतम एवं 3. पेंटिंग्स